Sub :- C-6 GENDER SCHOOL & SOCIETY
TOPIC :- 64. विखण्डनात्मक सिद्धान्त
(Deconstructive Theory)

विखण्डनात्मक सिद्धान्त में विखण्डित करके अध्ययन प्रस्तुत किया जाता है। जैसे- भारतीय समाज है, यदि हम इसको विखण्डित रूप से अध्ययन करें तो यह व्यक्तियों, जातियों, धर्मों इत्यादि में बँटा हुआ है। लिंग के आधार पर भी सम्पूर्ण विश्व बँटा है। स्त्री तथा पुरुष दोनों के लिये भले ही समान अधिकार और स्वतंत्रता की बात की जा रही हो, परन्तु प्रकृति ने भी स्त्री तथा पुरुष के मध्य भेदभाव किया है। विखण्डनात्मक सिद्धान्त के द्वारा हमारा समाज कई प्रकार से बँटा हुआ है।

यह सिद्धान्त परम्परागत विचारों जैसे- लिंगीय रूढ़िबद्धता, सैद्धान्तिक शिक्षा आदि के स्वरूप को विखण्डित करने का समर्थन करता है। यह सिद्धान्त निर्माणात्मक सिद्धान्त की अपेक्षा नवीन प्रतिमानों तथा नवीन व्यवस्था को गढ़ने में विश्वास करता है।

भारतीय सन्दर्भ में विखण्डनात्मक सिद्धान्त का महत्व निम्न प्रकार है:-

(i) विखण्डनात्मक सिद्धान्त का महत्व एक में अनेकता के लिये है।

(ii) विखण्डनात्मक सिद्धान्त के द्वारा शिक्षा व सूक्ष्मता का ज्ञान प्राप्त होता है।

(iii) इस सिद्धान्त के द्वारा ही विपरीत लिंग

एक दूसरे के पूरक होते हैं।

(iv) विखण्डनात्मक सिद्धान्त के द्वारा भारतीय समाज स्तरीकृत किया गया है।

(v) यह सिद्धान्त आपने प्रकृति के विपरीत समन्वय पर बल देता है।

(vi) विखण्डनात्मक सिद्धान्त के द्वारा प्रत्येक व्यक्ति की व्यक्तिगत क्षमताओं का उपयोग किया जाता है।

(vii) विखण्डनात्मक सिद्धान्त शिक्षा के लिये अत्यावश्यक है।

(viii) विखण्डनात्मक सिद्धान्त के द्वारा विखण्डनात्मक तत्वों और उनको रचनात्मक तथा निर्माणात्मक के रूप में परिवर्तित करने की चुनौती प्राप्त होती है।

(ix) यह सिद्धान्त परम्परागत ढाँचे में अनास्था रखता है।

(x) यह सिद्धान्त समय के अनुरूप बदलाव का पक्षधर है।

जेण्डर विखण्डनात्मक सिद्धान्त :—

विखण्डन सिद्धान्त को सामाजिक विघटन सिद्धान्त के नाम से भी जाना जाता है। यह सिद्धान्त सबसे महत्वपूर्ण सिद्धान्तों में से एक है जिसका प्रतिपादन शिकागो स्कूल द्वारा किया गया था।

Scanned with CamScanner

विखण्डनात्मक सिद्धान्त मानता है कि अपराध की दर पड़ोस के पर्यावरण विशेषताओं के समानुपाती होती है सामाजिक विघटन सामाजिक संगठन के विपरीत की स्थिति है। इसके अन्तर्गत व्यक्ति संस्थाएँ आदि अपने पद एवं कार्य को छोड़कर अन्य कार्य करने लगते हैं सामाजिक विघटन इस प्रकार भंग होता है जिससे समाज में विकृति आ जाती है और समाज टूटने लगता है।

→ जेण्डर विखण्डनात्मक सिद्धान्त पितृसत्ता, श्वेत वर्णीयता या विभिन्न प्रकार के वर्गों के प्रति संदेह प्रकट करता है।

→ जेण्डर विखण्डनात्मक सिद्धान्त के अनुसार जेण्डर एक वर्ग है जिसके अन्तर्गत महिला पुरुष और न्यूट्रल आते हैं।

→ जेण्डर विखण्डनात्मक सिद्धान्त नारीवाद की सभी सत्ताओं को भंग करने की सिफारिश करता है।

→ वह समाज में प्रचलित लैंगिकता, लिंग भेदभाव, नस्लीय वर्ग के आधार पर व्यवधान उत्पन्न करने वाली मानसिकताओं के खिलाफ विखण्डन की भूमिका निभाता है।

→ जेण्डर विखंडन सिद्धान्त समाजों में प्र संरचनावाद का भी खंडन करता है तथा अ सामाजिक सांस्कृतिक तथ्यों के आधार पर लिंग समानता की बात करता है।